Annual Report 2020-21

Department of Economics

Dr. Poonam Verma

Mr. Jai Prakash Verma

National Webinar Report

Dated: 30.04.2020

On April 30, 2020 Department of Economics organised a national webinar on `Post COVID Socio-Economic Challenges`. The keynote speaker of the webinar was renowned Economist, Strategic Consultant & Alumnus of London School of Economics and Political Science Mr. Partho P. Kar. Distinguished Speaker of the Webinar were Prof B K Mohanty of IIM Lucknow and Dr. Dhananjay Tripathi of South Asian University New Delhi. Mr. Kar had discussed all type of upcoming challenges in post covid era. Prof Mohanty focused on Basic infrastructural facilities challenges in India. Dr. dhananjay Tripathi mentioned worldwide scenario in post covid and enlightened on changing trade structure in the world. Really it was a brainstorming and eye opening session.fty

****

सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

[illegible]

[illegible]

वैश्विक महामारी कोविड से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर एक अंतर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन सोशल मीडिया जूम के माध्यम से किया गया

[illegible]

मजदूरों को 100 दिन नहीं वर्षभर काम देने की जरूरत : पार्थो

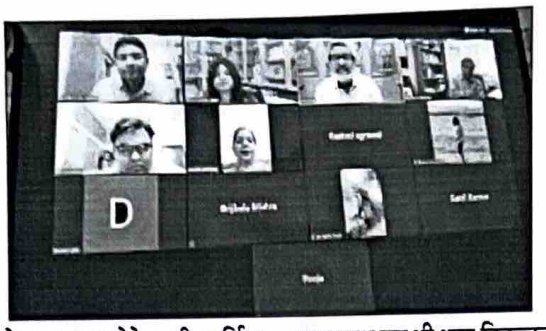

लखनऊ(एसएनबी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को वैश्विक महामारी कोविड से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर एक अंतर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सोशल मीडिया ज़ूम के माध्यम से किया गया। सेमिनार के प्रमुख वक्ता लंदन स्कूल ओफ़ एकनामिक्स से सम्बद्ध तथा केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों में रणनीतिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे विश्व विख्यात विद्वान पार्थो पी कर ने कोविड के बाद उत्पन्न होने वाली आर्थिक एवँ सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तेरहवी तथा चौदहवीं शताब्दी में जब यूरोप के देशों में प्लेग महामारी फैली तो लोगों का चर्च की संस्था में विश्वास लगभग समाप्त हो गया था। यह इक्कीसवी शताब्दी है कोविड के पश्चात सबसे ज़रूरी होगा की विभिन्न सरकारी संस्थाओं में लोगों का विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद सामाजिक विषमता में कमी आएगी तथा लगभग अस्सी प्रतिशत लोग सामाजिक समानता की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब विकास की धारा शहरों से गाँव की ओर करनी होगी। श्री पार्थो ने कहा कि अभी जनवरी फ़रवरी तक ऐसी स्थिति रह सकती है। अब ग्रामीण मज़दूरों को सौ दिन का नहीं बल्कि वर्ष भर का काम देने पर विचार करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक प्रभाव ये हो सकता है की हम पनः संयक्त परिवार प्रथा की ओर लौट आयें। श्री पार्थो ने कहा कि हम सब को सामना करना होगा अके हमारे अमीर होने से काम नही चलेगा। अमीर होव एक गरीब देश में रहने से अच्छा है कि हम अम होकर अमीर देश में रहे तभी जीवन का आनंद उ पायेंगे।

इस दौरान आइआइ एम के प्रो बी के मोहंती कहा कि ग़रीबों व पिछड़े क्षेत्रों में विशेष कार्य क की आवश्यकता है। हमें विदेश का मोह छोड़ने साथ साथ यह भी भ्रम निकलना होगा की अंग्रेज़ी के बिना काम नहीं हो सकता। वि के बड़े बड़े देश अपनी भाषा में काम कर रहे है।

जे एन यू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष तथा साउथ असीयन विवि दिल्ली के प्रो धनंज त्रिपाठी ने कहा कि कोविड के बाद जैसी मंदी हो सकती है तथा विश्व अर्थव्यवस तीन प्रतिशत तक गिर सकती है। ऐसे में रोज़गार पर तथा जन स्वास्थ्य पर बहुत प्रया करना होगा।

प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने कहा कि आज के परिवेश में शिक्षकों की भूमि बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षण में आमूलचूल परिवर्तन के लिए हमें खुद को अप रखना होगा। इस दौरान डॉ जय प्रकाश वर्मा, समन्वयक डॉ श्वेता भारद्वाज बृजबाला, डॉ रश्मि बिस्नोई, डॉ शिवानी, डॉ शरद वैस्य, डॉ क्रांति, डॉ प्रतिमा, भास्कर शर्मा मौजूद थे।

International Webinar Report

Dated: 10.05.2020

On May 10, 2020 an International webinar was organised by Department of Economics on `COVID: Opportunities for India`. Keynote speaker of the webinar was Dr. Rajesh Ranjan, High Commissioner of India in Botswana. He had discussed various dimensions related to COVID 19 and its linkages with opportunities. The session was moderated by Prof. Manoj Agrawal, Head Deptt. of Economics, University of Lucknow. Large no. of Participants across the world had actively participated in this webinar and share their opinion related to covid issues.

****

जूम ऐप के माध्यम से राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा वेबिनार का आयोजन हुआ

कलम हिन्दुस्तानी
संवाददाता,
ब्यूरो लखनऊ

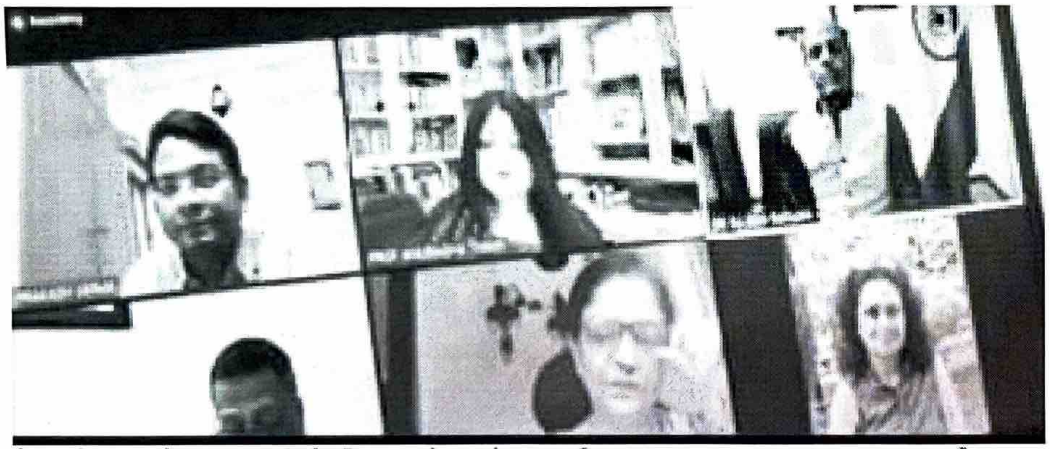

लखनऊ। कोविड19 महामारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के फलस्वरूप भारत के समक्ष उपलब्ध अवसरों पर हो रही वेबिनारों की श्रृंखला में आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आज एक और वेबिनार का आयोजन जूम ऐप के माध्यम से किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी तथा वर्तमान में मैक्सिको में भारत के राजदूत डॉक्टर राकेश रंजन ने कोविड के बाद उत्पन्न होने वाली आर्थिक और सामाजिक परिस्थिति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि महामारी से विश्वव्यापी संकट उत्पन्न हुआ है और इतना बड़ा संकट है कि इसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकेगा। डॉक्टर रंजन ने कहा कि कोविड से भीषण आर्थिक संकट पैदा हुआ है लगभग दुनिया के सभी देशों की विकास दर नकारात्मक हो जायेगी भारत के सन्दर्भ में उपायुक्त ने कहा कि अब प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। भारत के आगे एक बहुत बड़ा अवसर है स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का। हमें अपनी जी डी पी का बड़ा हिस्सा इस सेक्टर में विनियोजित करना चाहिए। फार्मेसी के क्षेत्र काम करने की बड़ी सम्भावना है। फार्मेसी के क्षेत्र में भारत की विश्वसनीयता तथा स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी कार्य कर सकता है। आने वाले समय में दुनिया योग और आयुर्वेद को अपनायेगी। डॉक्टर रंजन ने जोर देकर कहा कि कृषि के क्षेत्र को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए, आज कृषि निर्यात में भारत का हिस्सा मात्र २ प्रतिशत है जबकि अमेरिका का २८ और ऑस्ट्रेलिया का १४ प्रतिशत है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि मलीहाबादी आम से लेकर अंगूर पपीता अमरूद आदि का भी निर्यात किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा व बैंकिंग तथा भारतीय बैंकिंग सिस्टम को भी आगे बढ़ाने की जरूरत है। डॉक्टर रंजन ने कहा कि आज भारत की दुनिया भर में प्रतिष्ठा बढ़ी है। भारतीय नेतृत्व का दुनिया भर के नेताओं से अच्छा तालमेल है। सारी दुनिया आशा की नजरों से देख रही है। भारत विश्वबंधुत्व की भावना से काम कर रहा है दुनिया जानती है कि भारत की विस्तारवादी नीतियाँ कभी नहीं रही हैं। उन्होंने कहा कि संकट के बाद भी हमारी महत्वाकांक्षा ऊँची बिल्डिंगों की सीढ़ियाँ उन्हें मुबारक, हमें तो आसमाँ के आगे जाना है। कहकर उन्होंने सबका मनोबल बढ़ाया। वेबिनार में मॉडरेटर की भूमिका में मौजूद रहे लखनऊ विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज अग्रवाल ने विषय प्रवर्तन करते हुये कहा कि इस संकट की घड़ी में जब दुनिया के बड़े देश अपनी ही समस्या में उलझे हैं तब भी भारत ने ग्लोबल लीडर की भूमिका का निर्वहन किया है तथा भारत ने सार्क देशों की बैठक बुलाकर उनकी मदद करने का बीड़ा उठाया है। डॉक्टर रंजन से सहमति व्यक्त करते हुये उन्होंने भी फार्मेसी कृषि योग और आयुर्वेद पर काम करने की जरूरत है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि समय आ गया है जब हमें अपनी परम्परागत प्राचीन संस्कृति तथा मूल्य को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीयों में जबरदस्त जिजीविषा है जिसे दुनिया के बड़े देश स्वीकार करने लगे हैं। प्राचार्य ने कहा कि ये लड़ाई भारत अपने और अपने नेतृत्व की दृढ़ इच्छाशक्ति और विश्वबंधुत्व की भावना को बर्दाश्त जीतेगा। उन्होंने अतिथियों का परिचय कराया तथा उनका आभार व्यक्त किया। वेबिनार का लगातार दूसरी बार आयोजन अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉक्टर जय प्रकाश ने किया तथा समन्वयक के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने सभी का स्वागत किया तथा बताया कि कोविड श्रृंखला के और भी वेबिनार आयोजित किए जाएँगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों शिक्षकों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अंत में प्रश्न काल का भी सत्र हुआ जिसमें अनेक शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने सवाल किये जिसका वक्ताओं ने बखूबी उत्तर दिया।

प्राचार्य तथा समन्वयक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश : डॉ. राजेश

लखनऊ (एसएनबी)। कोविड-19 महामारी के बाद उत्पन्न हालात के फलस्वरूप भारत के पास उपलब्ध अवसर पर हो रहे वेबिनारों की शृंखला में नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज की ओर से रविवार को वेबिनार का आयोजन किया गया।

इस मौके पर भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी व वर्तमान में अफ्रीकन देश बोस्तनवा में उच्चायुक्त डॉ. राजेश रंजन ने कहा कि कोविड से भीषण आर्थिक संकट पैदा हुआ है। दुनिया के सभी देशों की विकास दर नकारात्मक हो जायेगी। उच्चायुक्त ने कहा कि अब प्राथमिकताए बदलनी होगी। फ़ॉर्मसी क्षेत्र में भारत की बिश्वसनीयता तथा स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी कार्य कर सकता है। आने वाले समय में दुनिया योग और आयुर्वेद को अपनाएगी। डॉ रंजन ने कहा कि कृषि के क्षेत्र को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आज कृषि निर्यात में भारत का हिस्सा है, जबकि अमेरिका व आस्ट्रेलिया का प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा ई कामर्स व भारतीय बैंकिंग सिस्टम को भी आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। इस दौरान लविवि के वरिष्ठ प्रो. मनोज अग्रवाल ने कहा कि इस संकट की घड़ी में जब दुनिया के बड़े देश अपनी ही समस्या में उलझे है तब भी भारत ने ग्लोबल लीडर की भूमिका का निर्वहन किया है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी ने कहा कि समय आ गया है जब हमें अपनी परम्परागत उद्योगों सांस्कृति तथा भाषा को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई भारत अपनी और अपने नेतृत्व की इच्छाशक्ति व विश्वबंधुत्व की भावना की बदौलत जीतेगा।

WhatsApp 5:26 PM 19%
Not Secure — adanews24.com

उत्तर प्रदेश

कोरोना महामारी संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश : उच्चायुक्त डॉक्टर राजेश रंजन

Published 4 months ago on
By **जितेन्द्र कुमार यादव**

लखनऊ (adanews24) । कोविड 19 महामारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के फलस्वरूप भारत के पास उपलब्ध अवसरों पर हो रहे वेबिनरों की श्रृंखला में आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आज एक और वेबिनार का आयोजन ज़ूम ऐप के माध्यम से किया गया।

Translate »

National Webinar Report

Dated:15.05.2020

On May 15, 2020 a National webinar on `e-Content and Introduction to MOOCs` organised by Department of Economics, NSCB Govt. Girls PG College Aliganj Lucknow in collaboration with IGNOU RC Lucknow. Keynote Speaker of the webinar was Prof. Diwakar Singh Rajpoot of Dr. HariSingh Gour University, Sagar Madhya Pradesh. He had discussed methods of e-Content development and basics for different types of e-content. Distinguished speaker of the webinar was Prof Pankaj Tiwari, Director EMRC, Dr H S Gour University Sagar. Dr. Tiwari elaborated four quadrant approach for e-content development. He had also discussed about credit system, duration of e-content and quality of e-content video. It was a very informative and purposeful webinar related with the needs of higher education.

****

शिक्षा प्रणाली में समय के अनुरूप परिवर्तन आवश्यक : डॉ हरिसिंह गौर

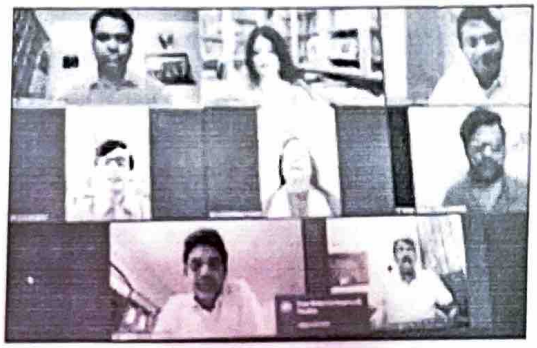

लखनऊ। कोविड19 के चलते शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। शिक्षण की परम्परागत अवधारणा में बदलाव आ रहा है। चाहे क्लास रूम शिक्षण हो या दूरस्थ शिक्षा पद्धति सभी को समय के अनुसार चलना होगा ऑनलाइन शिक्षण अपनाना होगा तथा ई कांटेंट को कैसे विकसित किया जाये इसे गम्भीरता से सोचना होगा। उक्त विचार आज इंदिरागांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र एवम नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद डॉक्टर हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि सागर मध्य प्रदेश में समाजशास्त्र एवम् समाजकार्य विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डी एस राजपूत ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ई कंटेंट

विकसित करना एक कला है।सर्वप्रथम उसकी विषय वस्तु का चयन करने से लेकर छाया चित्रांकन तक अत्यन्त विवेक की आवश्यकता होती है।विषय वस्तु मे क्रम बद्धता का होना नितांत आवश्यक है।विषय वस्तु के प्रस्तुतीकरण में लयबद्धता होनी चाहिये जिससे वो बोझिल और दुरूह न बन जाये। प्रोफेसर राजपूत ने बताया कि यू जी सी की ई पाठशाला वेब साइट पर बीस विषयों के लगभग सत्तर हजार कंटेंट अपलोड हैं जिन्हें फ्री में ऐक्सेस किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि ई कंटेंट रुचिकर बोधगम्य एवम सरल भाषा में होना चाहिये।कंटेंट के अन्तिम हिस्से में सन्दर्भ ग्रंथो तथा वेबसाइट का भी विवरण होना चाहिये तथा अन्त में सारांश लिखा जाना चाहिये। ई कंटेंट अपलोड करते समय बौद्धिक सम्पदा कानून का भी ध्यान रखना होगा जिससे किसी वैधानिक परेशानी से बचा जा सके। उन्होंने ये भी कहा की अन्त बीस प्रतिशत आसान तथा चालिस प्रतिशत मध्यम एवं इतने ही कठिन प्रश्नो का समावेश होना चाहिये। विशिष्ट वक्ता के रूप ई एम आर सी सागर मध्य प्रदेश के निदेशक प्रोफेसर पंकज तिवारी ई कंटेंट के तकनीकी एवम वैधानिक पहलुओं पर चर्चा की।उन्होंने कहा कि विडीओ पीपीटी आदि अपलोड करते समय अपनी आवाज तथा बॉडी लैंग्वेज का विशेष ध्यान रखना होता है। उन्होंने कहा कि आदर्श वीडियो तीस मिनट का होना पर्याप्त है। तिवारी ने कहा कि आवाज सरस लयबद्ध तथासपाट होनी चाहिये। कार्यक्रम की संरक्षक के रूप में इग्नु क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की निदेशक डॉक्टर मनोरमा सिंह तथा कालेज की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने भी वेबिनार को सामयिक तथा सार्थक बताया सरक्षक द्वय ने कहा कि भविष्य में भी फैकल्टी तथा विद्यार्थियों के लिए ऐसे आयोजन होते रहेंगे। प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने वक्ताओ का स्वागत किया तथा डॉक्टर मनोरमा सिंह ने अतिथियो का परिचय कराया। समन्वयक डॉक्टर कीर्ति विक्रम सिंह तथा डॉक्टर जयप्रकाश वर्मा ने वेबिनार का कुशलता पूर्वक सफल संचालन किया तथा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। तकनीकी सहायक के रूप में जुबेर तथा सुनील ने प्रबन्धन किया। खास बात ये रही कि इस वेबिनार मे पूरे देश का प्रतिनिधित्व रहा तथा। लगभग पाँच सौ पंजीकरण हुये जिसे देखते हुये जूम ऐप के साथ साथ यू ट्यूब पर भी लिंक किया गया।

पत्रकार की वालिदा के

National Workshop Report

Dated: 22.05.2020

A workshop on `Skill Development and Employment Opportunities` organised by Department of Economics on May 22, 2020. Keynote speaker of the session was shri Kunal Silku (IAS), Mission Director Uttar Pradesh skill development mission and Director Training and Employment U P. Shri Silku had Discussed Employment opportunities in various sector of the economy. He also discussed about major steps which has been taken by UPSDM and PMKVY for employment generation in Uttar Pradesh. Distinguished speaker of the workshop was Mr. V P Srivastava AGM (Retd.) State Bank of India. He explained about financial provisions regarding loan for new start up. Mr Srivastav has also discussed about MUDRA Yojana and said that through Mudra yojana loan is going to easier for innovative entrepreneur. Thus this workshop explored new possibilities about job opportunities, job creation and financing methods for new start up.

****

...ा लक्कड शाह ...ला स्थगित

... जिज्ञासा कुंज। ...लों में स्थित लक्कड़ ... पर लगने वाले जेठ ...दिया गया है। कोरोना ...को देखते हुए दरगाह ... मेला न लगाने का ...तर्नियाघाट वन्यजीव ... के जंगल में लक्कड़ ...है। इस मजार परिसर ...पाह का मेला लगता ...ता के प्रतीक सैयद ...र्फ लक्कड़ शाह की ...ठ मेला 29 मई को ... के सचिव इसरार ... बैठक के बाद 29 ... मेला स्थगित कर ... बताया कि इसकी ... सेंट्रल वक्फ बोर्ड ...धिकारियों को भी ... है। ऐसे में मेला ...ों के साथ दूसरे क्षेत्र ... आएं। जिससे भीड़ ... कमेटी के सचिव ...ताया कि जेठ मेला ...ा है। ऐसे में कमेटी ...ासन की अनुमति ... रीति रिवाज व ...दायगी करेगी। इसमें ... पर रोक रहेगी।

परंपरागत रोज़गार की जगह अब तकनीकी का युग है : कुणाल सिलकु

लखनऊ। अगर देश की जनसंख्या कुशल है तो वो देश की सम्पदा है परन्तु अकुशल जनसंख्या देश पर एक दायित्व की तरह होती है।बेरोज़गारी की मुख्य वजह कुशल श्रमिकों का न मिलना है।सरकार ने देश के युवाओं को रोज़गार दिलाने के उद्देश्य से ही कौशल विकास की महत्वकांक्षी योजना की शुरुआत की है।आज देश में अच्छे मैकेनिक अच्छे पलंबेर का अभाव है ।उक्त विचार आज नेताजी सुभाष चंद्रा बोस राजकीय महिला पी जी कालेज द्वारा आयोजित एक ओन लाइन कार्यशाला में कौशल विकास मिशन के निदेशक एवम वरिष्ठ आइ ए एस अधिकारी कुणाल सिलकु ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।उन्होंने कहा कि परम्परागत रोज़गार की जगह अब तकनीकी का युग है।श्री कुणाल सिलकु ने बताया कि कोरिया मेन 96 जापान में8 0 जर्मन में 75 प्रतिशत कुशल श्रमिक है जबकि भारत में इनका प्रतिशत दस से बारह है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 305 आइ टी आइ सरकारी तथा 2963 निजी क्षेत्र की संचालित हो रहीं है। विशेष वक्ता के तौर पर बंकिंग मामलों के जानकार तथा स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक रहे श्री वी पी श्रीवास्तव ने बंकिंग सिस्टम की विस्तार से जानकारी दी तथा कहा कि सरकार मुद्रा योजना स्टैंड अप योजना के तहत बेरोज़गारों को लोन दे रही है। कार्यशाला का आयोजन कलह प्लेसमेंट सेल के प्रभारी छह जय प्रकाश वर्मा डाक्टर विनीता लाल डाक्टर क्रान्ति सिंह तथा डाक्टर भास्कर शर्मा द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि ये अत्यंत सार्थक कार्यशाला है। उन्होंने अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया।

...र विशेष लॉकडाउन वाली ईद

...त्म होने ...र इसके ... लोग ईद ...लग जाते ... त्यौहार ... के लिए ...ौहार के ...

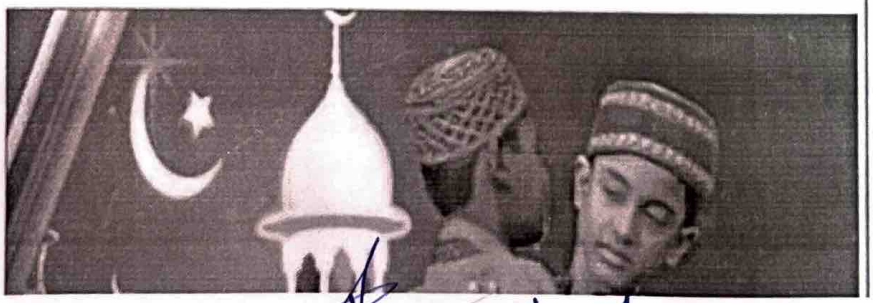

National Workshop Report

Dated:31.05.2020

On May 31, 2020 a workshop on `Cyber Security : Essentials for Safe and Secure Digital Transactions` organised by Department of Economics NSCB Govt. Girls PG College Aliganj Lucknow in collaboration with IGNOU RC Lucknow. Keynote speaker of the workshop was Shri Vishal Vikram Singh, S. P. STF Uttar Pradesh. Mr. Vishal has explained about various measures for safe and secure digital transactions. Distinguished Speaker of the session was Mr Rahul Cyber Expert UP Police. He has told about different types of fraud possibilities in digital transaction and how can we avoid these fraud in our daily digital transactions. Large no. of participants were present and really it was eye opening session.

****

WhatsApp 10:38 PM 8%
newstimes.co.in

साइबर अपराधों से बचने के लिए इन उपायों को अपनाएं

Rajnish Verma Admin
Updated on 03 Jun , 2020
02:19 PM IST

280 views

NEWS

मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने साइबर अपराधों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग झूठे प्रलोभनों में आकर आसानी से वित्तीय साइबर अपराधों का शिकार बन जाते हैं।

Lucknow.आए दिन होने वाले साइबर अपराधों (Cyber Crine) के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंडियन

सागर, सोमवार 1 जून, 2020, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 10, 2077

सायबर अवेयरनेस के द्वारा सुरक्षित बनें: राजपूत

सागर, आचरण संवाददाता।

सायबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन पर केन्द्रित राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया। वेबीनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी विशाल विक्रम सिंह पुलिस अधीक्षक स्पेशल टास्क फोर्स लखनऊ ने अपने उद्बोधन में कहा कि सायबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि सायबर हाइजीन और सायबर डिसीप्लिन को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि सायबर एडवेंचर से बचें और स्मार्ट यूजर बनें। सायबर सुरक्षा सलाहकार राहुल मिश्रा तथ्य परक जानकारियां दी और तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला। भारतीय अपराधशास्त्र परिषद् के उपाध्यक्ष और वेबीनार के डायरेक्टर प्रो दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि सायबर सुरक्षा के लिए सायबर जागरूकता बहुत ज़रूरी है।

प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज कर देना बड़ी समस्या का कारण बन सकता है इसलिए जागरूकता के साथ अमल करना भी ज़रूरी है। तिरुनवेली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और आई एस सी के चेयरमैन प्रो माधव सोमा सुन्दरम् ने प्रो राजपूत के प्रयासों की सराहना करते हुए बधाईयां दीं। प्रो सुन्दरम् ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल लेनदेन एक जरूरत भी है इसलिए सुरक्षा के उपायों पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ कीर्ति विक्रम सिंह डॉ जयप्रकाश ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम में डा मनोरमा सिंह और डॉ अनुराधा तिवारी लखनऊ ने भी संबोधित किया। वेबीनार का आयोजन भारतीय अपराधशास्त्र परिषद्, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस महाविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से किया गया। अंत में प्रो दिवाकर सिंह राजपूत एवं प्रो सोमा सुन्दरम् ने आभार व्यक्त किया।

डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा के लिए साइबर स्वच्छता और अनुशासन जरूरी: विशाल विक्रम सिंह

भास्कर संवाददाता | सागर

साइबर और डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा के लिए साइबर स्वच्छता (हाइजीन) और अनुशासन (डिसिप्लिन) को अपनाया जाना बेहद जरूरी है। लोगों को चाहिए कि वे साइबर साहसी (एडवेंचर) बनने से बचें और स्मार्ट यूज़र बनें। यह बात स्पेशल टास्क फोर्स लखनऊ के एसपी विशाल विक्रम सिंह ने कही।

वे भारतीय अपराध शास्त्र परिषद, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाषचंद्र बोस महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में साइबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। तिरुनवेली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और भारतीय अपराधशास्त्र परिषद (आईएससी) के चेयरमैन प्रो. माधव सोमा सुन्दरम् ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल लेनदेन एक जरूरत है। इसलिए सुरक्षा के उपायों पर ध्यान देना चाहिए। परिषद के उपाध्यक्ष और वेबिनार के डायरेक्टर प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि साइबर सुरक्षा के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर देना बड़ी समस्या का कारण बन सकता है। इसलिए जागरूकता के साथ उस पर अमल करना भी जरूरी है। साइबर सुरक्षा सलाहकार राहुल मिश्रा ने भी तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला। वेबिनार को डॉ. मनोरमा सिंह और डॉ. अनुराधा तिवारी लखनऊ ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, डॉ. जयप्रकाश ने संचालन किया।

सायबर सुरक्षा के लिए सायबर हाइजीन और सायबर अनुशासन जरूरी: सिंह

सागर, देशबन्धु। सायबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन पर केन्द्रित राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया। वेबीनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी विशाल विक्रम सिंह पुलिस अधीक्षक स्पेशल टास्क फोर्स लखनऊ ने अपने संबोधन में कहा कि सायबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि सायबर हाइजीन और सायबर डिसीप्लिन को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि सायबर एडवेंचर से बचें और स्मार्ट यूजर बनें।

सायबर सुरक्षा सलाहकार राहुल मिश्रा तथ्य परक जानकारियां दी और तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला। भारतीय अपराधशास्त्र परिषद् के उपाध्यक्ष और वेबीनार के डायरेक्टर प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि सायबर सुरक्षा के लिए सायबर जागरूकता बहुत जरूरी है। प्रो.राजपूत ने कहा कि छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर देना बड़ी समस्या का कारण बन सकता है इसलिए जागरूकता के साथ अमल करना भी जरूरी है।

तिरुनवेली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और आई एस सी के चेयरमेन प्रो. माधव सोमा सुन्दरम् ने प्रो. राजपूत के प्रयासों की सराहना करते हुए बधाईयां दी। प्रो. सुन्दरम् ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल लेनदेन एक जरूरत भी है इसलिए सुरक्षा के उपायों पर ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, डॉ. जयप्र [illegible] ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम में डॉ. मनोरमा सिंह और डॉ. अनुराधा तिवारी लखनऊ ने भी संबोधित किया। वेबीनार का आयोजन भारतीय अपराधशास्त्र परिषद्, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस महाविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से किया गया। अंत में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत एवं प्रो. सोमा सुन्दरम् ने आभार व्यक्त किया।

लालच में फंसकर ठगी का शिकार हो रहे लोग

जासं, लखनऊ : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि क्षेत्रीय केंद्र और नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने साइबर अपराधों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश लोग झूठे प्रलोभनों में आकर आसानी से वित्तीय साइबर अपराधों का शिकार बन जाते हैं। विशेष वक्ता के रूप में साइबर सिक्योरिटी उत्तर प्रदेश पुलिस के सलाहकार राहुल मिश्रा ने कहा कि अनेक लोग नकली आइडी बनाकर मित्र अनुरोध भेजते हैं। लेकिन बिना जांच-पड़ताल के मित्र अनुरोध स्वीकार न करें। वेबिनार के संयोजक इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिमिनोलॉजी के उपाध्यक्ष तथा हरिसिंह गौर विवि में समाजशास्त्र तथा समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत किया। सहायक समन्वयक इग्नू के सहायक निदेशक कीर्ति विक्रम सिंह ने वेबिनार के संचालन में सहयोग किया।

National Webinar Report

Dated:12.06.2020

A National webinar on `Child Labour in Uttar Pradesh: Issues and Challenges` organised by Department of Economics NSCB Govt. Girls PG College Aliganj Lucknow in collaboration with IGNOU RC Lucknow on June 12, 2020. The keynote Speaker of the webinar was Dr Vishesh Gupta, Chairperson U P State Commission for Protection of Child Rights. Dr. Gupta explained all the issues and problems related with child labour in Uttar Pradesh and measures taken by state govt. to upliftment of child labour. He had also discussed the reasons behind child labour problems which is facing by the state government as well as central government. Dr. Manorama singh Regional Director IGNOU RC Lucknow had mentioned some practical issues behind the problems of child labour. Large no. of participants actively participated in this academic and mind blowing webinar.

****

बाल श्रम के विरुद्ध वेबिनार का आयोजन

[illegible]

पत्रकारिता : देवेन्द्र कुमार कुशवाहा

कोरोना माई !

[illegible]

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक जगदीश तिवारी द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स ऐशबाग लखनऊ से मुद्रित एवं 2/160 विराम खण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित, सम्पादक प्रताप सिंह, कार्यकारी सम्पादक विनीत जायसवाल, प्रबन्धक सम्पादक रामधिलन साहनी मो. 8004333331, 9838571868, 9415414045, 7007760159 ई-मेल : jigyasakunjdesk@gmail.com समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

Date: 12.06.2020

Report

Online Survey

Under the circumstances of Covid-19 and lockdown, there was a complete change in the socio-economic and psychological conditions of the people of India. In order to measure the changes in the economic, social and psychological perspective of the people during this period, an online national survey by the Department of Economics in collaboration with the Department of Sociology and Psychology, "Socio-Economic and Psychological Impact of COVID-19 " has been conducted by using google form. This online survey conducted during 25 May 2020 to 10 June 2020 revealed the socio-economic and psychological status of 3000 people.

Dr. Vinita Lal (Head, Dept of Sociology)

Dr. Poonam Verma (Head, Dept of Economics)

Dr. Arvind (Head, Dept of Psychology)

Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls Post Graduate College Aliganj, Luckow, Uttar Pradesh

(Accredited Garde 'B' by NAAC)

Report

Feculty Development Programme on Research Methodology (23-29 June 2020)

Due to impact of COVID-19 pandemic and serious outbreak across the world, a drastic change is taking place among educational institutes of adopting online mode of teaching-learning. In this context, the main objective of this Faculty Development Programme is to quality use of this period having consideration of suggestions of UGC to promote research orientation. Research Methodology is indispensable in every field of higher education, be it social sciences, pure sciences or business studies. The present program is designed in such a way for the seven days, so as to give exposure to the participants about research problem formulation, application of appropriate research design, skill of data collection, data processing and statistical analysis at both basic and advanced level along with SPSS as well as how to write quality research paper.

In collabortaion with the department of sociology, Deprtment of Psychology, Department of Botany & Department of Commerce, The department of Economics has organized a seven day online faculty development program on reesarch methodology. In the Faculty Development Program, 500 participants have registered from all over the country as well as from other countries ie Turkey, Austin, Nepal etc. The FDP has been hosted live on the gotomeeting platform as well as YouTube and Facebook. Links are following:

Gotomeeting:

https://www.gotomeet.me/poonamverma4/fdp-on-research-methodology

Youtube:

https://www.youtube.com/channel/UCwTxxheJXHzKtEaJ2NkWMQw

Facbook:

Netaji subhash Chandra bose govt girls pg college aliganj lucknow

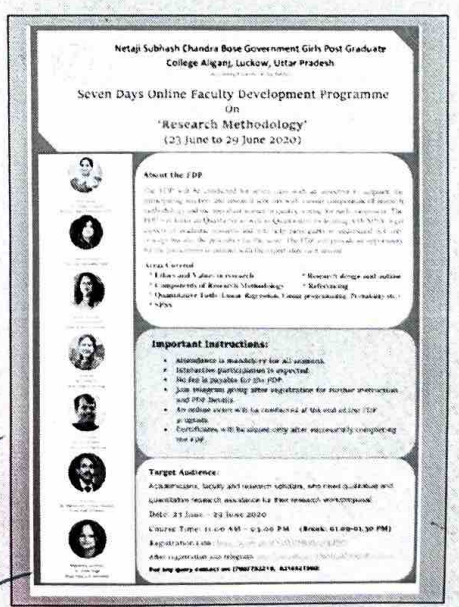
Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls Post Graduate College Aliganj, Luckow, Uttar Pradesh

Seven Days Online Faculty Development Programme On 'Research Methodology' (23 June to 29 June 2020)

About the FDP

Important Instructions:

Target Audience:

Date: 18.07.2020

Report

Webinar

In order to make the students aware of socioeconomic conditions due to increasing tension between India and China and to make them aware, an online webinar was organized by the Department of Economics in collaboration with the Department of Sociology, titled "Current Scenario: India vs China ". This webinar was conducted on 18 July 2020 by online medium Google Meet, which was also broadcast on YouTube.

Dr. Vinita Lal (Convener)

Dr. Poonam Verma (Organising Secretary)

Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls P G College

Aliganj, Lucknow

We invite you to join Talk on

"Current Scenario: India vs China"

Organised by

Faculty of Social Sciences

Date & Time : July 18, 2020, at 12.00 PM onward on Google Meet

Chief Patron
Dr. Vandana Sharma
Director Dept of Higher education, Prayagraj

Patron/Principal
Dr. Anuradha Tiwari
NSCBGGPGC College, Lucknow

Convener
Dr. Vinita Lal
Dept of Sociology

Guest Speaker
Dr. A K Singh
Associate Professor, Dept of Defence Studies
PPN College, Kanpur

Guest Speaker
Dr. Sudhir Kumar
Senior Non Commissioned Officer
Air Force

Organizing Secretary
Dr. Poonam Verma
Dept of Economics

Co-organizing Secretary
Dr. Arvind
Dept of Psychology

Co-organizing Secretary
Dr. Savita Singh
Dept of Physical Education

Registration Link:
https://forms.gle/2qH8oeaakg11xNv1A

Google Meet Link:
https://meet.google.com/caj-thqk-gmg

YouTube Link:
https://www.youtube.com/channe[illegible]aJ2NkWM[illegible]

Date: 17.09.2020

Report

Counseling session

In order to curb the mood of the students in adverse conditions of Covid-19, a counseling session was conducted by the Department of Economics through the online medium Google Meet , so that they do not suffer from depression and anxiety. Measures that prevent negative thoughts from coming to mind are discussed in detail. In this council session, Students were counseled by Dr Arvind, department of psychology, Netaji Subhash Chandra Bose Government girls PG College Aliganj Lucknow.

Dr Poonam Verma

Convener

Date: 16.11.2020

Constitution of Economics Council (2020-21)

The Council of Economics was unanimously formed on 16.11.2020 in which the officials are as follows:

President: Rashmi Pandey (MA Final)

Vice president : Jyoti Upadhyay (MA Previous)

Secretary : Anchal Tiwari (BA FINAL)

Deputy secretary- Tanu Shukla (BA Second Year) & Kirti Singh (BA First Year)

Class representative-

Anu (MA Final).

Versha Gupta (MA Previous)

Nupoor kannojia (BA FINAL)

Ankita Singh (BA Second Year)

Astha Bajpai (BA First Year)

Dr Poonam Verma

Jai Prakash Verma

Date: 15.12.2020

Report

Invited Lecture " Research Methodology"

A lecture was organized to apprise the students about research methods in the social sciences and humanities sector, in which lecture was delivered by Dr. Vinita Lal, Associate Professor (Department of Sociology) Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls PG College Aliganj Lucknow. In this lecture session, She discussed in detail the importance of research and research methods to the students and introduced the students to the use of research methods.

Dr Poonam Verma

Jai Prakash Verma

Date:11-01-21

Guest lecture

'Relevance of research in the current context'

Today, on 11 January 2021, under the Council of Economics, Dr. Harinandan Kushwaha gave a lecture on the topic 'Relevance of research in the current context'. Dr. Kushwaha is working as Research Associate , Center of Excellence, Lucknow. Total 54 students of Economics benefited from this lecture.

Dr Poonam Verma

Jai Prakash Verma

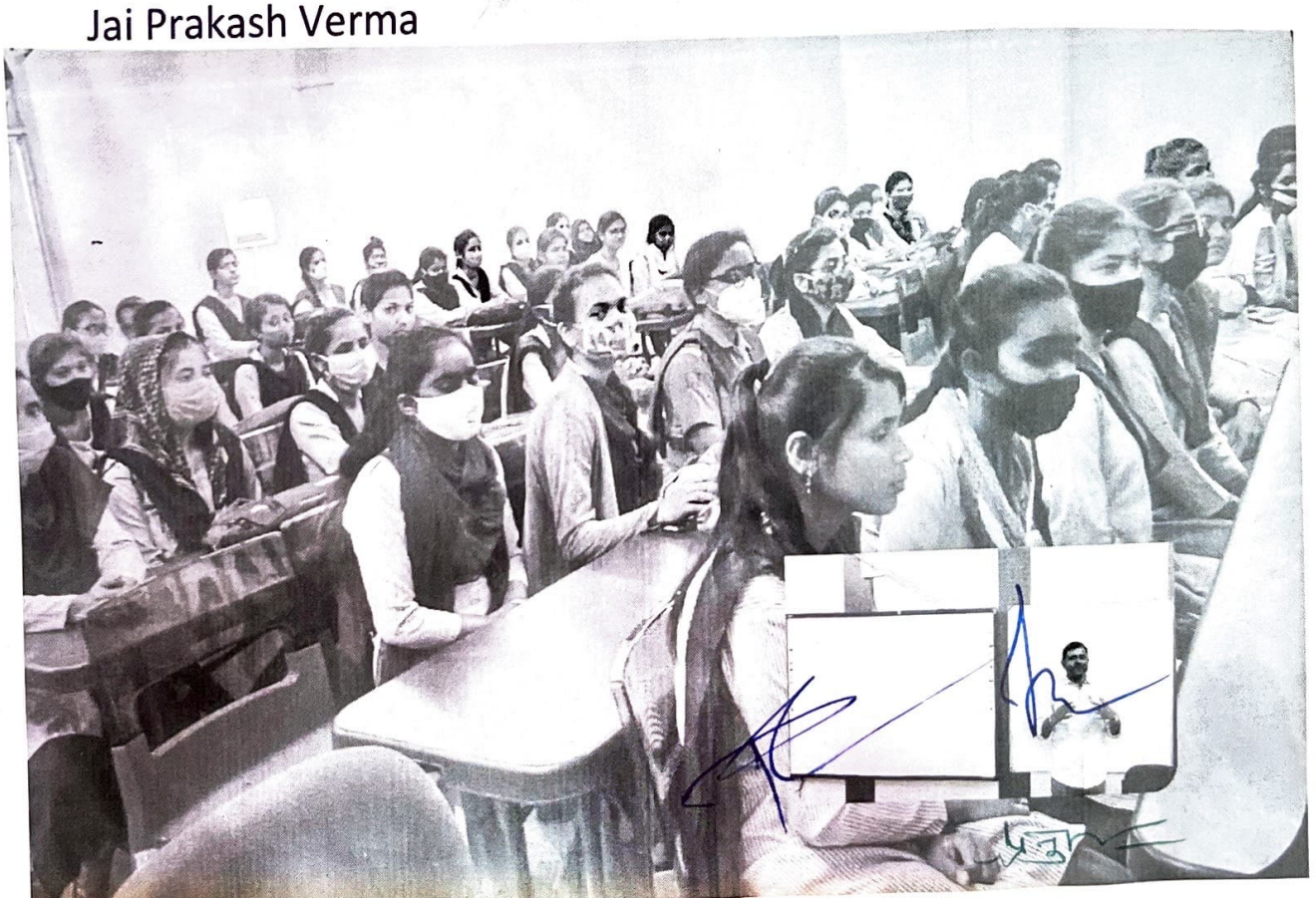

05.02.21

Date: ~~14-01-21~~

Guest lecture

'socio-economic aspect of health'

Today, on 5 February 2021, Ms. Babita gave a lecture on the 'socio-economic aspect of health'. Ms. Babita is working as an assistant Professor in Chandrabhan Gupta Bharat Seva Sansthan Degree College Chandrabhal. under the council 48 students of Economics benefited from this lecture.

Dr. Poonam Verma

Jai Prakash Verma

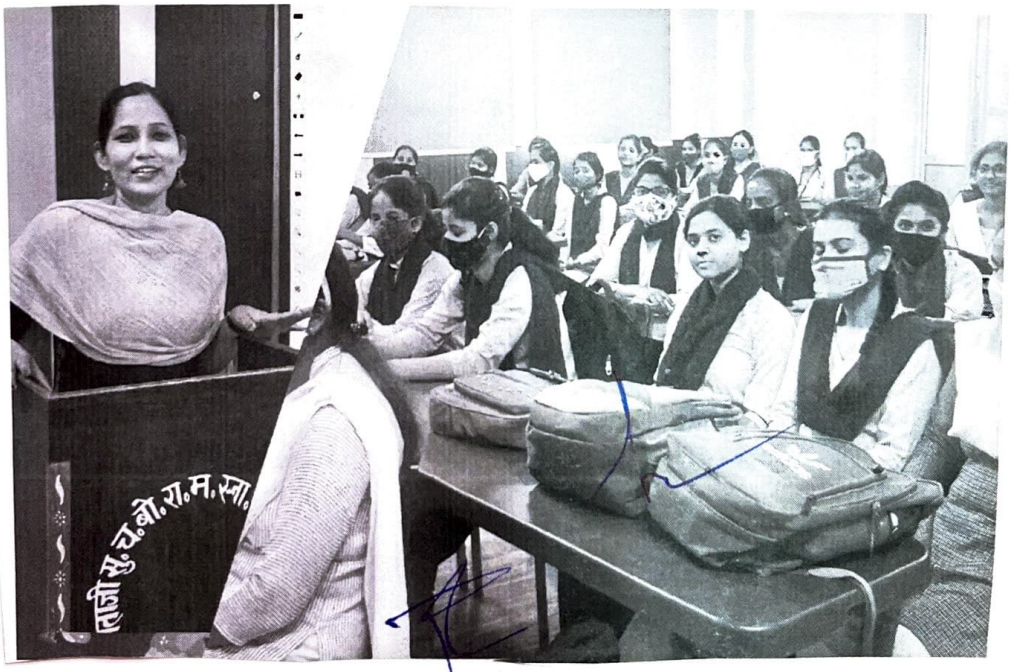

Panel Discussion Report

Dated:13.02.2021

A discussion on `Union Budget 2021-22` organised by Department of Economics on February 13, 2021. The speaker of the session were Prof. Manoj Agrawal Head, Department of Economics University of Lucknow and Dr. Ashok Kaithal Associate Professor Department of Economics, University of Lucknow. Prof. Agrawal discussed all six fundamental pillar which is mentioned in union Budget 2021-22 . He has also said that disinvestment of public enterprises would be done when it is securing more profit and through this we would be able to generate maximum revenue for the welfare schemes of people and more fund would be available for investment in infrastructure. He argued very strongly that privatisation is the truth of present era and we should mentally prepare for that. Govt. sector alone is not able to invest in huge projects so we should adopt the policy of public private partnership for smooth functioning of the economy. Dr Ashok Kaithal has advised to govt. that they should stop the disinvestment of profit making public sector enterprises because these enterprises are providing huge amount of job opportunities to people and they are also backbone of the economy. Large no. of students and faculty members have actively participated in this brainstorming session.

****

वर्तमान बजट विकासोन्मुखी है: प्रो मनोज अग्रवाल

□□□ क्राइम रिव्यू

लखनऊ। वर्तमान बजट विकासोन्मुखी है करोना की विपरीत परिस्थितियों के बाद भी कोई कर भार नहीं लगाया गया है।बजट जड़ता का प्रतीक नहीं होता उसमें गतिशीलता होती है। सौ सैनिक स्कूलों की स्थापना, अनुसंधान पर विशेष फ़ोकस इस बजट की विशेषता है। यह विचार आज लखनऊ विवि के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रोफेसर मनोज अग्रवाल ने व्यक्त किये। वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज लखनऊ में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित बजट परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे।

प्रोफेसर अग्रवाल ने कहा कि सबसे पहले करोना वैक्सीन तैयार कर भारत ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।करोना काल में अस्सी करोड़ नागरिकों को मुफ्त आनाज़ उपलब्ध कराना बड़ी उपलब्धि है।

अर्थशास्त्र के ही प्रोफेसर अशोक कैथल ने अपने सम्बोधन में कहा कि राजकोशिय घाटा को कम करने की ज़रूरत है।उन्होंने कहा की शिक्षा स्वास्थ्य और कृषि पर खर्च बढ़ना उचित है लेकिन लाभ में चल रहे सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की उपयुक्त और स्पष्ट नीति होनी चाहिये।

परिचर्चा को सी ए आनन्द जयसवाल ने भी सम्बोधित किया तथा आयकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी।गिरी विकास संस्थान के डाक्टर सन्दीप बालियान ने भी चर्चा में भाग लिया।अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर जय प्रकाश ने परिचर्चा का सफल विवेकपूर्ण और सफल संचालन करते हुए उसका सार प्रस्तुत किया।प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि इस प्रकार की परिचर्चा से विद्यार्थियों को लाभ होता है।उन्होंने सभी आगंतकों का स्वागत किया।डाक्टर पूनम वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।डाक्टर भास्कर शर्मा ने चर्चा में भाग लेकर एक कविता का पाठ किया।परिचर्चा में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा अर्थशास्त्र के बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

वर्तमान बजट विकासोन्मुखी है : प्रो. मनोज अग्रवाल

विश्ववार्ता संवाद

लखनऊ। वर्तमान बजट विकासोन्मुखी है, करोना की विपरीत परिस्थितियों के बाद भी कोई कर भार नहीं लगाया गया है। बजट जड़ता का प्रतीक नहीं होता, उसमें गतिशीलता होती है। सौ सैनिक स्कूलों की स्थापना, अनुसंधान पर विशेष फ़ोकस इस बजट की विशेषता है। यह विचार आज लखनऊ विवि के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रोफेसर मनोज अग्रवाल ने व्यक्त किये। वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज लखनऊ में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित बजट परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे।

प्रोफेसर अग्रवाल ने कहा कि सबसे पहले करोना वैक्सीन तैयार कर भारत ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। करोना काल में अस्सी करोड़ नागरिकों को मुफ़्त आनाज़ उपलब्ध कराना बड़ी उपलब्धि है। अर्थशास्त्र के ही प्रोफेसर अशोक कैथल ने अपने सम्बोधन में कहा कि राजकोशिय घाटा को कम करने की ज़रूरत है।उन्होंने कहा की शिक्षा स्वास्थ्य और कृषि पर खर्च बढ़ाना उचित है लेकिन लाभ में चल रहे सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की उपयुक्त और स्पष्ट नीति होनी चाहिये।

परिचर्चा को सी ए आनन्द जयसवाल ने भी सम्बोधित किया तथा आयकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गिरी विकास संस्थान के डाक्टर सन्दीप बालियान ने भी चर्चा में भाग लिया। अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर जय प्रकाश ने परिचर्चा का सफल विवेकपूर्ण और सफल संचालन करते हुए उसका सार प्रस्तुत किया। प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि इस प्रकार की परिचर्चा से विद्यार्थियों को लाभ होता है। उन्होंने सभी आगंतकों का स्वागत किया। डाक्टर पूनम वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डाक्टर भास्कर शर्मा ने चर्चा में भाग लेकर एक कविता का पाठ किया।

बजट विकासोन्मुखी, कोरोना की विपरीत परिस्थितियों के बाद भी कोई भार नहीं

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। लविवि के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रोफेसर मनोज अग्रवाल ने शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज अलीगंज लखनऊ में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित बजट पर बोलते हुए कहा कि वर्तमान बजट विकसोन्मुखी है करोना की विपरीत परिस्थितियों के बाद भी कोई कर भार नहीं लगाया गया है। बजट जड़ता का प्रतीक नहीं होता उसमें गतिशीलता होती है। सौ सैनिक स्कूलों की स्थापना।अनुसंधान पर विशेष फ़ोकस इस बजट की विशेषता है। इसलिए सबसे पहले करोना वैक्सीन तैयार कर भारत ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।करोना काल में अस्सी करोड़ नागरिकों को मुफ़्त आनाज़ उपलब्ध कराना बड़ी उपलब्धि है।अर्थशास्त्र के ही प्रोफेसर अशोक कैथल ने अपने सम्बोधन में कहा कि राजकोशिय घाटा को कम करने की ज़रूरत है।उन्होंने कहा की शिक्षा स्वास्थ्य और कृषि पर खर्च बढ़ाना उचित है लेकिन लाभ में चल रहे सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की उपयुक्त और स्पष्ट नीति होनी चाहिये। परिचर्चा को सी ए आनन्द जयसवाल ने भी सम्बोधित किया तथा आयकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी।गिरी विकास संस्थान के डाक्टर सन्दीप बालियान ने भी चर्चा में भाग लिया।अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर जय प्रकाश ने परिचर्चा का सफल विवेकपूर्ण और सफल संचालन करते हुए उसका सार प्रस्तुत किया।प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि इस प्रकार की परिचर्चा से विद्यार्थियों को लाभ होता है।उन्होंने सभी आगंतकों का स्वागत किया।डाक्टर पूनम वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।डाक्टर भास्कर शर्मा ने चर्चा में भाग लेकर एक कविता का पाठ किया। परिचर्चा में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा अर्थशास्त्र के बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

Invited Lecture Report

Dated:02.03.2021

On March 02, 2021 a lecture on `Aatmanirbharta ki or Agrasar Uttar Pradesh` organised by Department of Economics. The Speaker of the session was Dr Rahees Singh, Media /Information Advisor, Chief Minister of Uttar Pradesh. Dr. Singh told about major steps which has been taken by Govt. of Uttar Pradesh during Covid 19. He has discussed the afforts taken by govt. of Uttar Pradesh to upliftment of tribes, women and marginalised section of the society. He focused on basic strategies and fundamental pillars for the development of the economy of Uttar Pradesh. Government of Uttar Pradesh is also running free coaching classes for competitive examinations under `Abhyudaya Scheme`. U P Budget 2021-22 has focused on health and education sector which is core sector of the economy. MSME is on focus under various schemes like ODOP which is playing very important role for employment generation in Uttar Pradesh.

****

प्रभारी अनुपम मित्तल ने बताया कि तिलक नगर के
जे से शुरू होने वाले इस आयोजन में कोलकाता के
और कोलकाता के संजय शर्मा श्याम प्रभु का गुणगान
बजे से श्याम निशान यात्रा निकाली जाएगी।

है। सात से 13 ग
जांच का फ्री कै
में होंगे। इसके
इत्यादि भी आयो

महिलाओं की सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध है सरकार : डा. रहीश

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति महत्वकांक्षी परिकल्पना है जिसमें मातृभूमि ,मातृशक्ति और मातृभाषा की अवधारणा है। प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के प्रति कटिबद्ध है। यह बात मंगलवार को अलीगंज स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित एक परिचर्चा में मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार तथा स्तंभकार डा. रहीश सिंह ने कही।

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग, एनसीसी, एनएसएस रेंजर तथा मिशन शक्ति समिति के संयुक्त तत्ववधान में 'आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश' विषय पर आयोजित गोष्ठी में डा. रहीश सिंह मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की उन्होंने विस्तार से चर्चा की। परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए आईआईएम के प्रो. बी.के. मोहंती ने कहा कि मिशन शक्ति गरीबों के उत्थान के लिये जरूरी है।

इस दौरान विशेष अतिथि के रूप प्रो. भूपेन्द्र तिवारी तथा राजेश शुक्ला भी मौजूद रहे। मिशन शक्ति की प्रभारी डा. सविता सिंह, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट प्रतिमा शर्मा, एनएसएस प्रभारी डा. विशाखा कमल, अर्थशास्त्र प्रभारी डा. पूनम वर्मा, रेंजर प्रभारी डा. रश्मि अग्रवाल ने वर्ष पर्यन्त हुये कार्यक्रमों की आख्या प्रस्तुत की । परिचर्चा का सफल संचालन डा. ऊषा मिश्रा ने किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया।

वि

लख
माध्यमि
9(4)
एवं इ
प्रत्याह
अंतिम
द्वारा वि
के वि
विद्याल
की बै
नगर
कॉलेज
व
ने कह
अधिक
जांच मे
विद्याल
मोड़ प
अपने
करने
उन्होंने
2016
केवल
सहायत

अनुराधा

प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलम्बन के कटिबद्ध है : डॉ. रहीस सिंह

लखनऊ (निज संवाददाता) । उत्तर प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति महत्वाकांक्षी परिकल्पना है जिसमें मातृभूमि ,मातृशक्ति और मातृभाषा की अवधारणा है। प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलम्बन के कटिबद्ध हैं। उक्त विचार आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर अलीगंज लखनऊ में आयोजित एक परिचर्चा में मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार तथा जाने माने पत्रकार और स्तंभकार डाक्टर रहीस सिंह ने व्यक्त किए।महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ,एन सी सी , एन एस एस रेंजर तथा मिशन शक्ति समिति के संयुक्त तत्ववधान में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश विषयक गोष्ठी में डॉ रहीस सिंह मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की उन्होंने विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहाकि करोना काल के दौरान सरकार द्वारा अस्पतालों में सभी सुविधाएँ मुहैया कराई गई तथा प्रदेश में

मृत्यु दर न्यूनतम रही। श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की संवेदनशीलता के चलते ही गरीब कन्याओं की सामूहिक विवाह योजना शुरू की गई।महिलाओं के लिये ही स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय किया गया है।सरकार थरुओं मुसहरों और बनटांगिया आदि वंचित समाज के उत्थान के लिए विशेष प्रयास कर रही है। श्री सिंह ने कहा कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यार्थियों के लिए अभ्युदय योजना शुरू की गई है।इसी तरह ओ डी ओ पी के माध्यम से तेइस लाख लोगों को तथा सेल्फ़ हेल्फ़ से दो लाख लोगों को रोज़गार मुहैया कराया गया है। श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के पाँच स्तम्भ इकोनॉमी, आधार भूत संरचना ,सिस्टम ,डेमोग्राफ़ी तथा डिमांड विकास का मूल मंत्र हैं।परिचर्चा की अध्यक्षता आइ आइ एम के वरिष्ठ प्रोफेसर बी के मोहंती ने करते हुए कहा कि मिशन शक्ति सभी ग़रीबों के उत्थान के लिये ज़रूरी है।विशेष अतिथि के रूप प्रोफेसर भूपेन्द्र तिवारी तथा राजेश शुक्ला भी मौजूद रहे।

WhatsApp 10:34 PM 11%
voiceofcapital.page

मातृभूमि, मातृशक्ति व मातृभाषा की अवधारणा है मिशन शक्ति - डा. रहीस सिंह

VOC March 02, 2021

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति महत्वाकांक्षी परिकल्पना है, जिसमें मातृभूमि, मातृशक्ति और मातृभाषा की अवधारणा है। प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलम्बन के कटिबद्ध है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय अलीगंज में आयोजित एक परिचर्चा

Date: 2 March 2021

Council of Economics

Poster Competition

MA Final

2020-21

Under the Economics Council, a poster competition was organized for MA final year students, with the theme "Budget 2020-21". The winners in this poster competition are as follows:

First Prize: Shivani Gupta

Second prize Afreen Bano

Third price Rashmi Pandey

Dr. Poonam Verma

Jai Prakash Verma

Date : 3 March 2021

Council of Economics

Poster Competition

MA Previous

2020-21

Under the Economics Council, a poster competition was organized for MA final year students, with the theme "Budget 2020-21". The winners in this poster competition are as follows:

First Prize: Monika Jha

Dr. Poonam Verma

Jai Prakash Verma

Date: 4 March 2021

Council of Economics

Poster Competition

BA First Year

2020-21

Under the Economics Council, a poster competition was organized for BA first year students, with the theme "Environment/Women Empowerment". The winners in this poster competition are as follows:

First Prize: Kanchan Yadav

Second prize Kirti Singh

Third price Divyanshi Gupta

Dr. Poonam Verma

Jai Prakash Verma

Date: 5 March 2021

Council of Economics

Poster Competition

BA Second Year

2020-21

Under the Economics Council, a poster competition was organized for BA second year students, with the theme "Environment/Women Empowerment". The winners in this poster competition are as follows:

First Prize: Ankita Singh

Second prize : Palak Srivastava

Third price : Vineeta Kumari

Consolation: Tanu Shukla

Dr. Poonam Verma

Jai Prakash Verma

Date: 6 March 2021

Council of Economics

Poster Competition

BA Final Year

2020-21

Under the Economics Council, a poster competition was organized for BA Final year students, with the theme "Environment/Women Empowerment". The winners in this poster competition are as follows:

First Prize: Aakansha Singh

Second prize : Kajal Singh

Third price : Garima Singh

Dr. Poonam Verma

Jai Prakash Verma